कुत्ते पालतू कब और कहां बने?

वैज्ञानिकों के बीच इस बात पर खासा विवाद रहा है कि कुत्तों को पालतू कब और कहां बनाया गया। युरोप, चीन व मध्य-पूर्व इसके संभावित इलाके हैं और समय लगभग 10 से 30 हज़ार वर्ष पूर्व का है। इस बात पर आम सहमति है कि कुत्तों का पालतू संस्करण भेड़ियों से विकसित हुआ है।

30 हज़ार वर्ष पुराने सबसे प्राचीन कुत्तानुमा जीवाश्म युरोप व साइबेरिया में मिले हैं आजकल के कुत्तों व भेड़ियों के जेनेटिक विश्लेषण से संकेत मिला कि पालतू कुत्ते सर्वप्रथम युरोप, चीन या मध्य-पूर्व में प्रकट हुए थे। अब 20 से 30 हज़ार वर्ष पुराने कुत्तों और भेड़ियों के जीवाश्मों से प्राप्त डीएनए के ताज़ा विश्लेषण के आधार पर फिनलैण्ड के टुर्कु विश्वविद्यालय के ओलफ थालमैन और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के रॉबर्ट वेन ने दावा किया है कि कुत्तों को पालतू बनाने का काम युरोप के शिकारी-संग्रहकर्ता इंसानों ने करीब 20 से 30 हज़ार वर्ष पूर्व किया था।

थालमैन और वेन के दल ने 1000 से 36,000 साल पुराने कुत्तों व भेड़ियों के 18 जीवाश्मों के माइटोकॉण्ड्रिया के डीएनए का क्षार-अनुक्रमण किया। माइटोकॉण्ड्रिया वह उपांग है जो संतानों को सिर्फ अपनी मां से मिलता है। इन प्राचीन नमूनों के अलावा उन्होंने आधुनिक कुत्तों व भेड़ियों के डीएनए का भी क्षार-अनुक्रमण किया और इस विश्लेषण के आधार पर उन्होंने एक वंश वृक्ष का निर्माण किया।

इस वंश वृक्ष को देखकर संकेत मिलता है कि कुत्तों की उत्पत्ति युरोप में हुई थी। थालमैन के मुताबिक कुत्तों की लगभग सारी आधुनिक नस्लें (ऑस्ट्रेलिया के डिंगो से लेकर मध्य अफ्रीका की बेसन्जी तक) का निकट सम्बंध इन प्राचीन कुत्तों और भेड़ियों से है। शोधकर्ताओं के मुताबिक पालतू कुत्तों का सबसे पुराना पूर्वज युरोप में 18,800 से 32,100 वर्ष पूर्व अस्तित्व में था।

मगर इस निष्कर्ष पर सवाल उठना स्वाभाविक है। बेल्जियम व साइबेरिया में ऐसे जीवाश्म मिले हैं जिनका सम्बंध युरोप के इन जीवाश्मों से नहीं दिखता। थालमैन के मुताबिक ये जीवाश्म पालतूकरण के असफल प्रयासों के द्योतक हैं।

दूसरी समस्या यह है कि उपरोक्त सारे जीवाश्म युरोप के हैं। अभी चीन व मध्य-पूर्व में पाए गए जीवाश्मों को इस अध्ययन में शामिल नहीं किया गया है। जब उन्हें भी शामिल किया जाएगा तो तस्वीर बदल भी सकती है।

अन्य शोधकर्ताओं का मत तो आज भी यही है कि संभवतः कुत्तों को पालतू बनाने का काम कई स्थानों पर और कई कालों में एकाधिक बार हुआ है। आगे अध्ययन से इस मामले में और स्पष्टता हासिल होने की उम्मीद की जानी चाहिए। ***(स्रोत फीचर्स)***